भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
12.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2207 का उत्तर

रेल पथ के लिए भूमि अधिग्रहण

2207. डॉ. आलोक कुमार सुमन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बिहार राज्य में पंचदेवरी-भोरे (36 किमी) खंड में 333 एकड़ और उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में 101.13 एकड़ भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और यदि हां, तो कार्य पूरा होने में विलंब के क्या कारण हैं;

(ख) क्या शेष 48.64 किमी (बिहार के गोपालगंज जिले में 36.00 किमी और उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में 12.64 किमी) पर भूमि की अनुपलब्धता के कारण कार्य रोक दिया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) भूमि अधिग्रहण और परियोजना को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और

(घ) परियोजना में जानबूझकर देरी करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध क्या दंडात्मक कार्रवाई की गई है?

उत्तर
रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): रेलवे ने हथुआ-पंचदेवरी-भटनी (80 कि.मी.) नई लाइन परियोजना का कार्य शुरू किया है। मार्च 2024 तक ₹277 करोड़ का व्यय किया जा चुका है। अब तक हथुआ-पंचदेवरी (31 कि.मी.) खंड को कमीशन किया जा चुका है।

परियोजना के शेष भाग के लिए स्थानीय ग्रामीणों की ओर से भूमि अधिग्रहण के विरुद्ध कड़ा विरोध किया गया। रेलवे द्वारा इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कई प्रयास किए गए, लेकिन इसे सुलझाया नहीं जा सका। इसलिए, परियोजना के शेष भाग को छोड़ने का निर्णय लिया गया।

*****